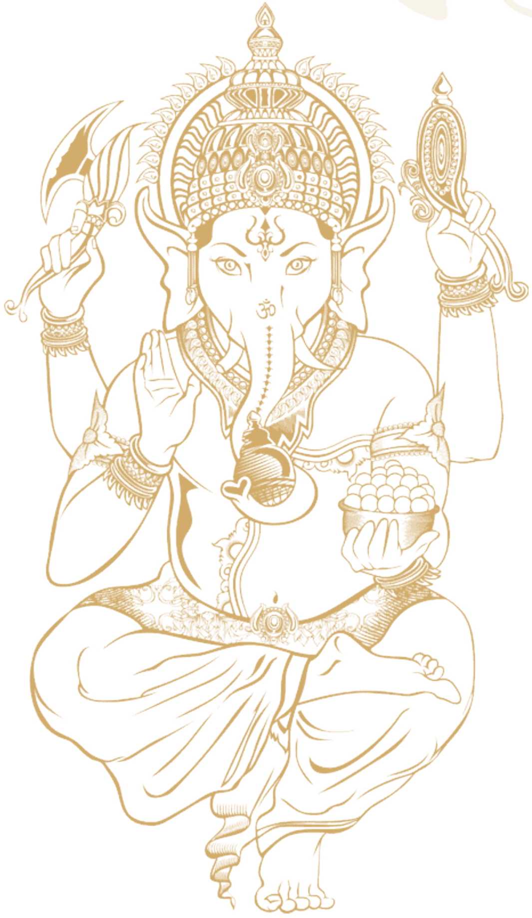

Yash Bhargav

15 May 2006

08:49 AM

Jhansi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119089402

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	**: 15/05/2006**
दिन	: सोमवार
जन्म समय	**: 08:49:04 घंटे**
इष्ट	: 08:14:58 घटी
स्थान	**: Jhansi**
राज्य	: Uttar Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 25:27:00 उत्तर
रेखांश	: 78:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:15:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 08:33:20 घंटे
वेलान्तर	: 00:03:40 घंटे
साम्पातिक काल	: 00:04:13 घंटे
सूर्योदय	: 05:31:04 घंटे
सूर्यास्त	: 18:53:26 घंटे
दिनमान	: 13:22:22 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: ग्रीष्म
सूर्य के अंश	: 00:13:37 वृष
लग्न के अंश	: 17:42:22 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**: वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**: ज्येष्ठा - 2**
नक्षत्र स्वामी	: बुध
योग	: शिव
करण	: गर
गण	: राक्षस
योनि	: मृग
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: कीटक
वर्ग	: मृग
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: या-यतीन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	: स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:42:22	318:52:32	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	---
सूर्य			वृष	00:13:37	00:57:51	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	22:46:31	13:21:43	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	नीच राशि
मंगल			मिथु	24:17:31	00:35:40	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
बुध		अ	मेष	25:46:39	02:08:20	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
गुरु	व		तुला	18:43:19	00:07:22	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	19:23:33	01:08:55	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शनि			कर्क	11:48:14	00:04:00	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	09:11:37	00:08:41	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	09:11:37	00:08:41	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	20:17:20	00:01:39	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
नेप			मक	25:51:23	00:00:15	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो	व		धनु	02:16:35	00:01:16	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	07:12:06	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:44

लग्न-चलित

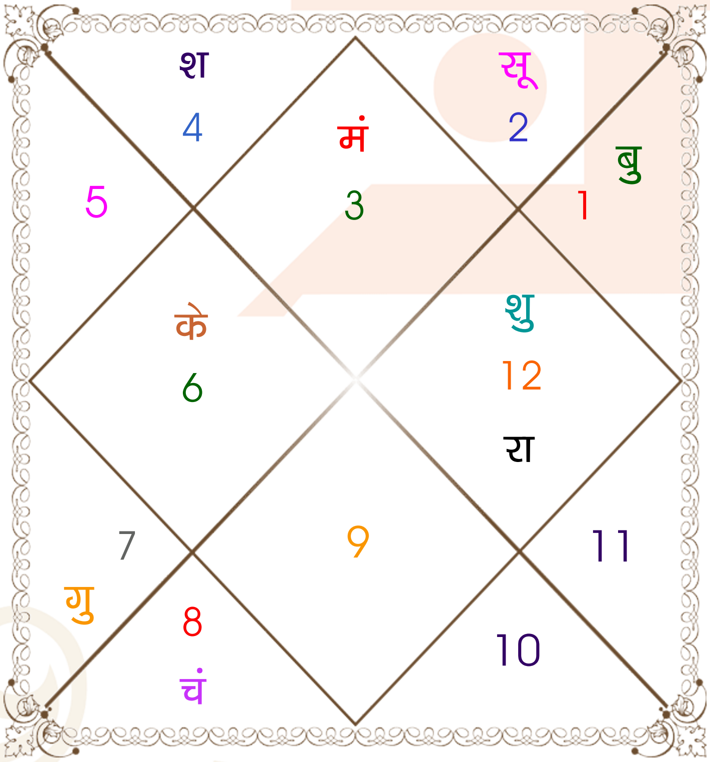

चन्द्र कुंडली

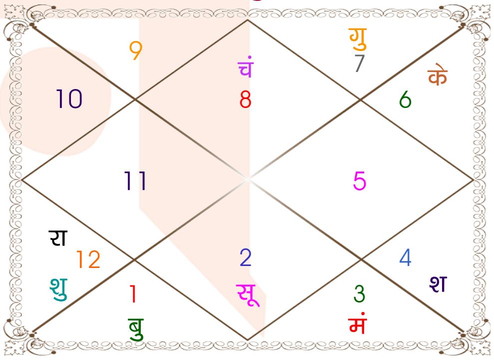

नवमांश कुंडली

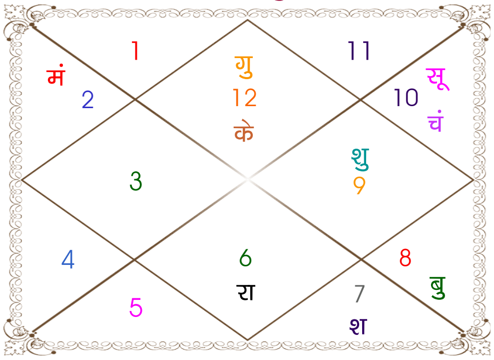

FUTUREPOINT Astro Solutions

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 9 वर्ष 2 मास 16 दिन

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
15/05/2006	**31/07/2015**	**31/07/2022**	**31/07/2042**	**31/07/2048**
31/07/2015	**31/07/2022**	**31/07/2042**	**31/07/2048**	**31/07/2058**
00/00/0000	केतु 28/12/2015	शुक्र 30/11/2025	सूर्य 18/11/2042	चंद्र 31/05/2049
00/00/0000	शुक्र 26/02/2017	सूर्य 30/11/2026	चंद्र 19/05/2043	मंगल 30/12/2049
00/00/0000	सूर्य 03/07/2017	चंद्र 31/07/2028	मंगल 24/09/2043	राहु 01/07/2051
15/05/2006	चंद्र 02/02/2018	मंगल 30/09/2029	राहु 18/08/2044	गुरु 30/10/2052
चंद्र 30/01/2007	मंगल 01/07/2018	राहु 29/09/2032	गुरु 06/06/2045	शनि 31/05/2054
मंगल 27/01/2008	राहु 19/07/2019	गुरु 31/05/2035	शनि 19/05/2046	बुध 31/10/2055
राहु 15/08/2010	गुरु 24/06/2020	शनि 31/07/2038	बुध 26/03/2047	केतु 31/05/2056
गुरु 20/11/2012	शनि 03/08/2021	बुध 31/05/2041	केतु 31/07/2047	शुक्र 29/01/2058
शनि 31/07/2015	बुध 31/07/2022	केतु 31/07/2042	शुक्र 31/07/2048	सूर्य 31/07/2058

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
31/07/2058	**31/07/2065**	**31/07/2083**	**31/07/2099**	**01/08/2118**
31/07/2065	**31/07/2083**	**31/07/2099**	**01/08/2118**	**00/00/0000**
मंगल 27/12/2058	राहु 12/04/2068	गुरु 18/09/2085	शनि 04/08/2102	बुध 28/12/2120
राहु 15/01/2060	गुरु 06/09/2070	शनि 31/03/2088	बुध 13/04/2105	केतु 25/12/2121
गुरु 21/12/2060	शनि 13/07/2073	बुध 07/07/2090	केतु 23/05/2106	शुक्र 25/10/2124
शनि 29/01/2062	बुध 30/01/2076	केतु 13/06/2091	शुक्र 23/07/2109	सूर्य 31/08/2125
बुध 27/01/2063	केतु 17/02/2077	शुक्र 11/02/2094	सूर्य 05/07/2110	चंद्र 16/05/2126
केतु 25/06/2063	शुक्र 17/02/2080	सूर्य 30/11/2094	चंद्र 03/02/2112	00/00/0000
शुक्र 24/08/2064	सूर्य 11/01/2081	चंद्र 31/03/2096	मंगल 14/03/2113	00/00/0000
सूर्य 30/12/2064	चंद्र 13/07/2082	मंगल 07/03/2097	राहु 19/01/2116	00/00/0000
चंद्र 31/07/2065	मंगल 31/07/2083	राहु 31/07/2099	गुरु 01/08/2118	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 9 वर्ष 2 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशाग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।